पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'CM का बेटा' 23 साल, 60 फिल्में लगीं ये टैग हटाने में

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 110 ■ मंगलवार 7 जुलाई 2026 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

उल्हास नदी खतरे के निशान के ऊपर

■ बदलापुर में बाढ़ का खतरा

■ कल्याण ग्रामीण इलाके में भी नदी का लेवल काफी बढ़ा

बदलापुर. पिछले तीन दिनों से रायगढ़ जिले के कर्जत, खोपोली, माथेरान और आस-पास के इलाकों में भारी बारिश की वजह से उल्हास नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। इस वजह से ठाणे जिले में कई जगहों पर उल्हास नदी खतरे के निशान को पार कर गई है। ठाणे इरिगेशन बोर्ड की सोमवार, 6 जुलाई सुबह 7 बजे दी गई रिपोर्ट के मुताबिक, ठाणे जिले में नदियों का वॉटर लेवल काफी बढ़ गया है। बदलापुर में नदी के खतरे के निशान को पार करने की वजह से बाढ़ का डर पैदा हो गया है.

उल्हास नदी का जलस्तर

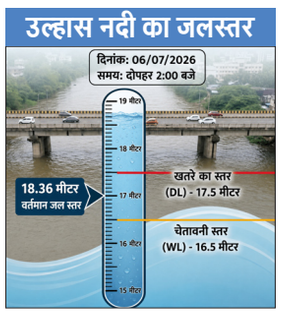

उल्हास नदी का वॉटर लेवल काफी बढ़ गया है और नदी किनारे के कई इलाकों में तनाव का माहौल है। बदलापुर शहर में उल्हास नदी का डेंजर लेवल 17.50 मीटर और वॉर्निंग लेवल 16.50 मीटर तय किया गया है। सोमवार सुबह नदी का पानी का लेवल 16.80 मीटर तक पहुंच गया है, और नदी वॉर्निंग लेवल को पार कर गई है। कल्याण के ग्रामीण इलाके में भी नदी के पानी के लेवल में काफी बढ़ोतरी हुई है।

सिस्टम अलर्ट पर
बदलापुर से होकर बहने वाली उल्हास नदी का पानी का लेवल लगातार बढ़ रहा है, इसलिए यहां के सिस्टम अलर्ट मोड पर हैं। कुलगांव बदलापुर म्युनिसिपल काउंसिल, फायर डिपार्टमेंट, लोकल पुलिस और रेवेन्यू एडमिनिस्ट्रेशन ने लोगों से अलर्ट रहने की अपील की है।

जम्भुलपाड़ा में डेंजर लेवल 14.00 मीटर है और वॉर्निंग लेवल 13.00 मीटर है। आज यहां का लेवल 13.20 मीटर है, और नदी यहां भी वॉर्निंग लेवल को पार कर गई है। मोहने में उल्हास नदी का पानी का लेवल 8.83 मीटर है। हालांकि यह 9.00 मीटर के वॉर्निंग लेवल के करीब पहुंच गया है, लेकिन अभी यह वॉर्निंग लेवल से नीचे है। यहां डेंजर लेवल 10.00 मीटर है।

उल्हास नदी के साथ-साथ जिले की दूसरी ज़रूरी नदियों का लेवल भी बढ़ रहा है। टिटवाला में कालू नदी का वॉर्निंग लेवल 102.00 मीटर है। आज सुबह इस नदी का लेवल ठीक 102.00 मीटर तक पहुंच गया, और यह नदी भी वॉर्निंग लेवल पर पहुंच गई है। यहां डेंजर लेवल 103.50 मीटर है। सपगांव में भातसा नदी का वॉटर लेवल अभी 32.40 मीटर है। यह लेवल वॉर्निंग लेवल 36.06 मीटर और डेंजर लेवल 36.55 मीटर से कम है, इसलिए यहां फिलहाल राहत है।

कुल मिलाकर, बदलापुर और कल्याण रूरल (जंभुलपाड़ा) इलाकों में उल्हास नदी के साथ-साथ टिटवाला में कालू नदी के वॉर्निंग लेवल को पार करने पर एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम अलर्ट हो गया है, और लोगों से भी सावधानी बरतने की अपील की गई है।

देखने वालों की भीड़
जैसे-जैसे उल्हास नदी का वॉटर लेवल बढ़ रहा है, कई लोग नदी में बढ़े पानी को देखने के लिए अपने घरों से बाहर निकल रहे हैं। बदलापुर में, कई लोग अपनी गाड़ियों के साथ नई उल्हास नदी पर बने पुल पर फोटो खिंचवाने के लिए आते देखे गए हैं। पुलिस उन लोगों से वापस लौटने की अपील कर रही है। हालांकि, डर है कि देखने वालों की यह भीड़ उनकी जान के लिए खतरा बन सकती है।

म्हारल गांव की मुख्य सड़क पानी में डूबी

■ यातायात में फिर आई रुकावट

■ वाहन चालकों को बड़ी दिक्कतें

■ कई गाड़ियां फंस गई

■ स्थानीय विधायक व सांसद पर अनदेखी का आरोप

उल्हासनगर. लगतार हो रही भारी बारिश की वजह से कल्याण-नगर राजमार्ग पर पानी भरने से यातायात में रुकावट आ गई। म्हारल गांव से थारवानी कॉम्प्लेक्स एरिया तक पूरी सड़क पानी में डूब गई , जिससे वाहन चालकों को बड़ी दिक्कतें हुई। सड़क पर कई फुट पानी भरने की वजह से कई गाड़ियां फंस गई जिससे दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी लाइनें लग गई जिससे इमरजेंसी सर्विस पर भी असर पड़ा है।

खबर है कि एंबुलेंस के आने-जाने में भी रुकावटें आई । इस हालात से वाहन चालकों के साथ ही स्थानीय लोगों में गुस्सा व्याप्त हो गया है। डेवलपमेंट के दावों पर सवाल उठाते हुए लोगों ने सीधे तौर पर स्थानीय विधायक और सांसद पर अनदेखी का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी मांग की है कि इस क्षेत्र में पानी भरने की समस्या का तुरंत और पक्का सॉल्यूशन निकाला जाए।

मालशेज घाट में लैंडस्लाइड

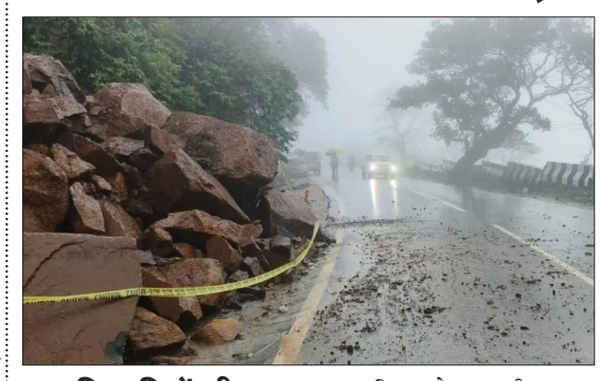

■ अधिकारियों की मुस्तैदी से आधे घंटे में ट्रैफिक बहाल

बदलापुर. बारिश के मौसम में मालशेज घाट में लैंडस्लाइड की संख्या बढ़ रही है, और शनिवार को एक बार फिर घाट में बड़ा लैंडस्लाइड हुआ। पहाड़ का कुछ हिस्सा अचानक गिरने और सड़क पर बड़े-बड़े पत्थर गिरने से एक तरफ का ट्रैफिक पूरी तरह से बंद हो गया। इस वजह से घाट में करीब आधे घंटे तक ट्रैफिक रुका रहा।

शनिवार दोपहर करीब 1:45 बजे कल्याण की ओर आने वाली सड़क पर कुछ पत्थर और मिट्टी गिर गई। घटना की जानकारी मिलने पर हाईवे पुलिस और तहसील प्रशासन तुरंत मौके पर पहुंचा। सड़क पर मिट्टी और पत्थर हटाने का काम युद्धस्तर पर शुरू किया गया। सिर्फ़ 20 से 25 मिनट की कोशिश के बाद, प्रशासन सड़क से लैंडस्लाइड हटाने में कामयाब हो गया। लैंडस्लाइड हटाने का काम दोपहर करीब 2:30 बजे पूरा हुआ, और सड़क के दोनों तरफ़ ट्रैफ़िक आसानी से शुरू हो गया है।

खुशकिस्मती से, कोई हताहत नहीं हुआ
मालशेज घाट में पहले भी कई लैंडस्लाइड की घटनाएँ हो चुकी हैं। कुछ दिन पहले, रात के समय एक लैंडस्लाइड हुआ था। यह कुछ ही दिनों की बारिश की वजह से हुआ था। हालाँकि शनिवार का लैंडस्लाइड बड़ा था, लेकिन खुशकिस्मती से जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। एक बड़ी मुसीबत टल गई क्योंकि लैंडस्लाइड के समय कोई गाड़ी उस इलाके से नहीं गुज़र रही थी। हालाँकि, प्रशासन ने घाट से गुज़रने वाले सभी ड्राइवरों को चेतावनी जारी की है और खराब मौसम में गाड़ी चलाते समय खास ध्यान रखने की अपील की है।

बारवी डैम का जलस्तर 30% पर

भारी बारिश से पानी का स्टोरेज तेज़ी से बढ़ा

बदलापुर. ठाणे ज़िले को पानी सप्लाई करने वाले बारवी डैम इलाके में लगातार दूसरे दिन भारी बारिश हुई है। इस भारी बारिश की वजह से डैम का पानी का स्टोरेज तेज़ी से बढ़ रहा है, और कुछ ही दिनों में डैम में पानी का स्टोरेज 30 परसेंट के निशान को पार कर गया है। चूंकि बारिश ज़ोरों पर हो रही है, इसलिए उम्मीद है कि ठाणे ज़िले के ज़्यादातर शहरों में पानी की कमी का बड़ा संकट टल जाएगा।

इस साल जून महीने में पानी का स्टोरेज काफ़ी कम हो गया था। जून के आखिर तक डैम में पानी का स्टोरेज घटकर 21.74 परसेंट रह गया था, जिससे प्रशासन और लोगों की चिंता बढ़ गई थी। हालांकि, जुलाई की शुरुआत से बारिश ने ज़ोरदार वापसी की। सोमवार, 6 जुलाई की सुबह मिले डेटा के मुताबिक, डैम में पानी का स्टोरेज 30.06 परसेंट तक पहुंच गया है। सिर्फ़ एक दिन में, स्टोरेज में 4 परसेंट की ज़बरदस्त बढ़ोतरी हुई है। पानी का स्टोरेज कल के 26.35 परसेंट से बढ़कर 30.06 परसेंट हो गया है। अभी, डैम का लाइव वॉटर स्टोरेज 101.88 मिलियन क्यूबिक मीटर हो गया है, और पानी का लेवल 60.18 मीटर हो गया है।

कल्याण-शहापुर इलाके में भारी बारिश

■ मोहने-मोहिली, रुंदे, रायते फ्लाईओवर पानी में डूबे

■ कई गांवों का संपर्क टूटा

कल्याण. कल्याण शहर के पास मोहने से मोहिली, कल्याण मुरबाड रास्ते पर रायते में पुराना फ्लाईओवर, टिटवाला में कालू नदी पर रुंदे पुल सोमवार सुबह से भारी बारिश के कारण डूबे हुए हैं। इस वजह से मोहने से मोहिली, रुंडे गांव, रायते गांव इलाके में ट्रैफिक पूरी तरह से रुक गया है। शाहपुर तालुका में धाद्रे-शिरोशी गांवों को जोड़ने वाला फ्लाईओवर पानी में डूब गया है, जिससे इस इलाके के गांवों का संपर्क टूट गया है।

उल्हास नदी पर बना मोहने मोहिली फ्लाईओवर मोहिली इलाके के लोगों के लिए बीच के रास्ते के तौर पर मौजूद था। इसके बंद होने से इलाके के लोगों को दूसरे रास्ते अपनाने पड़ रहे हैं। मोहिली गांव इलाके से दूध बेचने वाले, कर्मचारी, स्कूल और कॉलेज के बच्चे, व्यापारी रिक्शा, प्राइवेट गाड़ियों, टू-व्हीलर और कारों से मोहिली फ्लाईओवर से कल्याण शहर आ रहे थे।

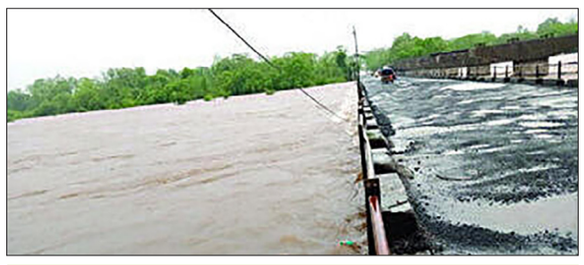

■ रुंदे ब्रिज पानी में

टिटवाला के पास कालू नदी पर बना रुंदे ब्रिज भारी बारिश की वजह से सोमवार सुबह से ही पानी में डूबा हुआ है। इस ब्रिज की वजह से टिटवाला के 10 से ज़्यादा गांवों का रुंदे और फलेगांव इलाके से कनेक्शन टूट गया है। इलाके के लोग कई सालों से रुंदे ब्रिज की ऊंचाई बढ़ाने की मांग कर रहे थे। उल्हास घाटी में भारी बारिश की वजह से, जब भी उल्हास और कालू नदियां दोनों दिशाओं में बहने लगती हैं, तो रुंदे ब्रिज पानी में डूब जाता है।

■ पुराना रायता ब्रिज पानी में डूबा

रविवार से ही भारी बारिश की वजह से रायता ब्रिज के पानी में डूबने के संकेत मिल रहे थे। बारिश का पानी ब्रिज से कुछ इंच नीचे बह रहा था। इसलिए, खतरे से बचने के लिए ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने रविवार रात को ही ब्रिज को ट्रैफिक के लिए बंद करने का फैसला किया था। हालांकि, सोमवार सुबह से ही पुराना रायता ब्रिज के लेवल पर पानी बहने लगा, इसलिए ट्रैफिक पुलिस ब्रिज के दोनों तरफ पेट्रोलिंग कर रही है। ड्राइवरों को टिटवाला या नए रायता ब्रिज से जाने की सलाह दी जा रही है।

उल्हासनगरवासियों से पानी को उबालकर व छानकर पीने की अपील

उल्हासनगर. महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन से पानी लेकर उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एरिया में पानी वितरित किया जाता है. कमिश्नर मनीषा आव्हाले, एडिशनल कमिश्नर डॉ. धीरज चव्हाण, डिप्टी कमिश्नर अनंत जवादवार के मार्गदर्शन में वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर अशोक घुले ने कहा कि अभी बारिश का मौसम चल रहा है, इसलिए सावधानी के तौर पर लोगों को पीने के लिए पानी को छानकर और उबालकर पीना चाहिए।

पानी का गलत इस्तेमाल न करें
बारिश के मौसम में, सुरक्षित सेहत के लिए पानी को छानकर और उबालकर पीने की आदत डालें। साथ ही, पानी का गलत इस्तेमाल न करें और हर बूंद का ध्यान से इस्तेमाल करें। पब्लिक रिलेशन ऑफिसर प्राजक्ता कुलकर्णी ने कहा कि साफ पानी, हेल्दी लाइफ और जिम्मेदार नागरिक की जिम्मेदारी निभाएं।

ठाणे जिले में लोगों से सावधान रहने की अपील

ठाणे. ठाणे जिले में पिछले दो से तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है, जिससे कई इलाकों में आम ज़िंदगी अस्त-व्यस्त हो गई है। निचले इलाकों में पानी भर गया है, सड़कों पर पानी भर गया है, ट्रैफ़िक में रुकावट आ रही है, नदियों और नहरों में पानी का लेवल बढ़ रहा है और कुछ जगहों पर पेड़ गिर रहे हैं, वहीं भारतीय मौसम विभाग ने सोमवार सुबह एक बार फिर जिले के लिए गंभीर चेतावनी जारी की है।

ठाणे जिले में कुछ जगहों पर 70 से 80 km प्रति घंटे की रफ़्तार से हवाओं के साथ मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है, और लोगों से खास तौर पर सावधान रहने की अपील की गई है।

जलजमाव रोकने के लिए आयुक्त मैदान में

■ नालों की सफाई के लिए युद्ध स्तर पर आदेश

उल्हासनगर. लगातार बारिश, कई इलाकों में पानी भरने और नाले की सफाई को लेकर हो रही आलोचना को देखते हुए उल्हासनगर मनपा प्रशासन अब और ज़्यादा सतर्क हो गया है। शहर में बाढ़ रोकने और लोगों को बारिश से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने खुद मैदान में जाकर शहर के बड़े नालों, नदी के किनारों और पानी की पाइपलाइनों का निरीक्षण किया। काम में ढिलाई बर्दाश्त नहीं करने की साफ चेतावनी देते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नाले की सफाई का सारा काम युद्ध स्तर पर और

अच्छी क्वालिटी के तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। आयुक्त मनीषा आव्हाले ने उल्हासनगर मनपा की सीमा में बड़े और छोटे नालों की सफाई और सिल्टिंग के काम का दौरा किया और बारीकी से निरीक्षण किया। इस मौके पर असिस्टेंट पब्लिक हेल्थ ऑफिसर मनीष हिवारे और चीफ सेनेटरी इंस्पेक्टर एकनाथ पवार के साथ संबंधित अधिकारी मौजूद थे। कमिश्नर ने खन्ना कंपाउंड ब्रिज एरिया, वालधुनी नदी, भारतनगर, कंसाई रोड, उल्हासनगर-5, मद्रासी पाड़ा नाले, डिप्टी मेयर अमर लुंड के वार्ड में जीजामाता कॉलोनी के पैनल नंबर 17 में एक बड़े नाले और शहर के अलग-अलग बड़े नालों का इंस्पेक्शन किया और चल रहे कामों का रिव्यू किया। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि नालों में जमा गाद को पूरी तरह से निकालकर साइंटिफिक तरीके से डिस्पोज किया जाए, नाले में कोई कचरा या रुकावट न आने दी जाए, और सारा काम तय समय में और अच्छी क्वालिटी के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने सभी डिपार्टमेंट को आपस में कोऑर्डिनेट करके वॉर फुटिंग पर काम करने का भी ऑर्डर दिया ताकि मॉनसून के दौरान लोगों के घरों में पानी न घुसे, सड़कों पर पानी न भरे या बाढ़ की स्थिति न बने।

अंबरनाथ में 2 वर्ष में 16 करोड़ के पोल लाइट कहां बिठाए गए?

■ जांच कमेटी बनाने की मांग

■ पुलिस दामिनी पथक को पिंक एक्टिवा देने की मांग

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर में 2024 से 2026 तक 16 करोड़ रुपए खर्च करके पोल लाइट लगाए गए हैं. वह शहर में कहां लगाए गए हैं, इस विषय पर एक जांच कमेटी बनाकर जांच की जाए. ये गंभीर मुद्दा नगरसेवक विकास सोमेश्वर ने शुक्रवार को नगर परिषद की महासभा में उठाकर नगराध्यक्ष एवं मुख्याधिकारी से जांच कमेटी बनाकर रिपोर्ट पेश करने की मांग की है.

उन्होंने फातिमा हाईस्कूल के चौक पर हायमास्ट लाइट लगाने की मांग भी की है. एक गंभीर मुद्दा पुलिस दामिनी पथक के लिए पिंक एक्टिवा दोपहिया वाहन का उठाकर उन्होंने नगराध्यक्षा से कहा कि महिला सुरक्षा के लिए दामिनी पथक

पुलिस को पिंक कलर का एक्टिवा देने के लिए पुलिस विभाग ने कहा था. उसका क्या हुआ और कहा कि जल्द से जल्द पिंक एक्टिवा उपलब्ध कराकर दी जाए. हिंदू श्मशान भूमि का भी मुद्दा उठाकर उन्होंने कहा कि श्मशान भूमि में बॉडी का अंतिम संस्कार करने वाले एवं वहां देखरेख करने वाले को नपा मानधन दे.

श्मशान में जब तक सीएनजी उपलब्ध नहीं होता है, तब तक जलाने के लिए मुफ्त में लकड़ियां दी जाएं. शहर के छाया अस्पताल के कामकाज पर नजर रखने के लिए एक कमेटी के गठन की भी मांग विकास हेमराज ने सभागृह से की है. स्टेशन स्थित प्रीति होटल के पीछे अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने की मांग भी की गई है. जूना पुलिस चौकी को महाराणा प्रताप का नाम दिए जाने की मांग भी उन्होंने की है.

नपा इमारत में बिना अनुमति के बन रहा नगराध्यक्ष केबिन

■ इमारत हुई कमजोर

■ डेढ़ करोड़ खर्च पर मनमानी

■ राजेंद्र वालेकर ने जिलाधिकारी से की शिकायत

■ मुख्याधिकारी भी चुप

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद की इमारत में नगराध्यक्ष केबिन बनाने के लिए 3 रूम की दीवारें तोड़ दी गई हैं. एक कॉलम तोड़ दिया गया है. जिसके कारण करोड़ों रुपए खर्च करके निर्माण की गई इमारत खतरे में आ गई है. ये कार्य मुख्याधिकारी, नगर अभियंता एवं सभागृह में नगरसेवकों के समक्ष नहीं रखकर मनमाने तरीके से किया जा रहा है. ऐसी शिकायत नगरसेवक राजेंद्र वालेकर ने जिलाधिकारी से की है. उनका कहना है कि नगराध्यक्षा

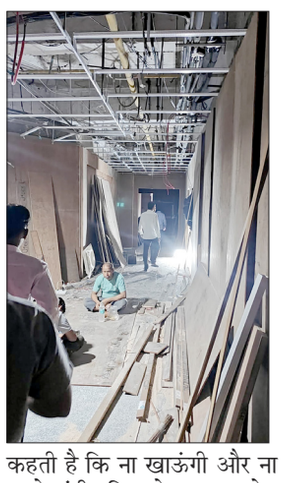

कहती है कि ना खाऊंगी और ना खाने दूंगी. फिर ये लगभग डेढ़ करोड़ रुपए खर्च करने बनाए जा रहे नगराध्यक्ष केबिन के लिए भ्रष्टाचार कौन कर रहा है. ऐसा प्रश्न वालेकर ने किया है. उन्होंने इस मुद्दे को हाल ही में हुई महासभा में भी उठाया था. लेकिन उनको नगराध्यक्षा, मुख्याधिकारी किसी ने भी जबाव नहीं दिया है. ये बात राजेंद्र वालेकर ने पत्रकारों से कहा है. उन्होंने सोमवार को अंबरनाथ नगर पालिका कार्यालय का दौरा करके चल रहे नगराध्यक्ष केबिन के काम को देखा और पत्रकारों को बताया कि नपा इमारत के ऊपर तीसरी मंजिल का काम शुरू है. ऊपर से पहली मंजिल की तीन रूम की दीवारें तोड़ दी गई हैं. एक कॉलम तोड़ा गया है. ये काम सभागृह में नगरसेवकों के समक्ष ना रखकर मंजूरी ना लेकर गत कई महिने से किया जा रहा है. नगराध्यक्षा का केबिन होते हुए भी ये दूसरा केबिन नगराध्यक्षा के लिए क्यों बनाया जा रहा है. जबकि अभी तक विषय समिति के चुनाव भी नहीं हुई है.

विदित हो कि3 जुलाई को हुई महासभा में भी राजेंद्र वालेकर ने नपा की इमारत के पूर्णता एवं फायर सेफ्टी के बारे में मुख्याधिकारी से प्रश्न किया था, जो कि अब तक नहीं ली गई है. ऐसा वालेकर ने आरोप लगाया है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

भारतीय खेलों की साख पर सवाल

यह बात सच है कि भारत में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। देश में कई ऐसे खिलाड़ी उभरकर सामने आए हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। हालांकि, इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कौशल विकास की कमी और पर्याप्त अवसर एवं बुनियादी सुविधाओं का अभाव आज भी बना हुआ है। इस बीच, एक और गंभीर समस्या की जकड़बंदी का दायरा इतना बड़ा हो गया है कि भारतीय खेलों की साख पर ही सवाल खड़े हो गए हैं। यह समस्या डोपिंग नियमों का पूरी तरह पालन नहीं करने से जुड़ी है।

यही वजह है कि 'एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट' की ओर से हाल ही में जारी की गई डोपिंग उल्लंघन करने वालों की वैश्विक सूची में भारत को फिर से शीर्ष स्थान पर रखा गया है।

ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या देश में डोपिंग रोधी नियमों की गंभीरता को समझने में लापरवाही बरती जा रही है या फिर इसकी वजह कुछ और है। यहां प्रश्न सिर्फ खिलाड़ियों पर ही नहीं, बल्कि सरकार, प्रशासक और प्रशिक्षकों की कुशलता, सतर्कता एवं संवेदनशीलता पर भी है।

गौरतलब है कि पिछले दो वर्षों से डोपिंग उल्लंघन करने वालों की सूची में सबसे ऊपर रहने के कारण विश्व एथलेटिक्स ने बीते अप्रैल में भारत को डोपिंग के 'बहुत अधिक' जोखिम वाले देश के रूप में भी चिह्नित किया था। इसकी गंभीरता को देखते हुए हालांकि सरकार की ओर से डोपिंग रोधी कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, लेकिन इनकी गुणवत्ता जोखिमों के अनुपात में कहीं कम नजर आती है।

यह सही है कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित खिलाड़ी को ही दोषी माना जाता है, लेकिन इससे प्रशासकों या खेल संघों की जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती है।

अगर कोई खिलाड़ी अनजाने में ऐसी दवा या खाद्य एवं पेय पदार्थ लेता है, जो नियमों के विरुद्ध है, तो इसके लिए जवाबदेही पूरे खेल तंत्र की बनती है। नियमों की पर्याप्त जानकारी देकर खिलाड़ियों को सतर्क एवं जागरूक करना और नियमित निगरानी की जिम्मेदारी प्रशासकों तथा प्रशिक्षकों की ही होती है।

ऐसे में जरूरी है कि 'डोप मुक्त भारत' बनाने के लिए प्रतिक्रियात्मक प्रवर्तन से आगे बढ़कर एक परिवर्तनकारी बदलाव की ओर कदम बढ़ाया जाए।

विमर्श

सशक्त भारत के स्वप्नदर्शी राजनेता

आज 6 जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिए बहुत ही विशेष है। आज हम डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म-जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। उनके व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं। उनका जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में होती थी, लेकिन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद जी ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना।

उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस यात्रा में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया, मगर इन दुखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपना हौसला कमजोर नहीं पड़ने दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया। डा. मुखर्जी ने हमेशा राष्ट्रहित और भारतीय मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने

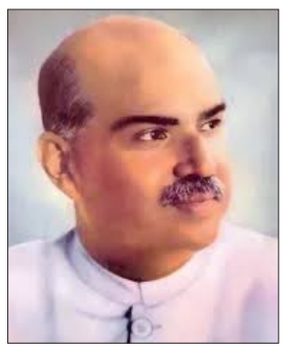

मजबूत संस्थानों का निर्माण किया और ऐसी व्यवस्थाएं बनाईं, जो उस समय के सोच से काफी आगे थीं। वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। वे मानते थे कि हमें ऐसे विद्यार्थी तैयार करने होंगे, जो नेतृत्व की भूमिका निभा सकें।

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर भी संघर्ष किया। इसी संघर्ष के दौरान उनका निधन हुआ। उस समय आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि डा. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए अपना बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, साल 2019 में अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को हटाया जाना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि थी।

जब पूरे देश में कांग्रेस का वर्चस्व था तब उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना का निर्णय लिया, क्योंकि उन्हें महसूस हुआ कि देश को एक ऐसे नए विकल्प की बहुत जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी का चुनाव चिह्न 'दीपक' यानी मिट्टी का दीया रखा गया। एक अकेला दीया देखने में भले ही छोटा लगे, लेकिन उसमें गहन अंधकार को मिटाने की भी अद्भुत शक्ति होती है। स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में वे उद्योगों को नए-नए आजाद हुए भारत के लोगों में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास का संचार करने का सशक्त माध्यम मानते थे। उन्होंने दामोदर वैली कारपोरेशन, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और मजबूत औद्योगिक नीति के माध्यम से आधुनिक औद्योगिक भारत की नींव रखी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि भारत के पारंपरिक सामर्थ्य की कभी उपेक्षा न हो। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और कपड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों के हितों के भी प्रबल समर्थक थे।

आत्मनिर्भर भारत के विजन के साथ जिस सिंदरी संयंत्र की स्थापना के लिए डा. मुखर्जी ने अथक प्रयास किए थे, उसकी कई दशकों तक सत्ता में रहे लोगों ने घोर उपेक्षा की। मुझे संतोष है कि हमारी सरकार को उसके पुनरुद्धार का सौभाग्य मिला। उस कार्यक्रम में उपस्थित होना मेरे सार्वजनिक जीवन के सबसे विशेष और अविस्मरणीय क्षणों में से एक बन गया।

संसार में शांति लाने के लिए, हमें पहले स्वयं शांत होना होगा। ऐसा हम ध्यानाभ्यास के द्वारा कर सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

इंस्टाग्राम पर बढ़ रहा बाल यौन शोषण

इंटरनेट की दुनिया में अनेक स्तर पर लोगों के ठगी का शिकार होने से लेकर 'डिजिटल अरेस्ट' और अन्य गंभीर अपराधों के फैलते जाल ने वैश्विक स्तर पर एक जटिल चुनौती पेश की है। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जो तकनीक लोगों के जीवन-स्तर को बेहतर बनाने, उनकी समझ का विस्तार करने के काम में आनी चाहिए थी, वह अब कुंठित और आपराधिक मानसिकता के लोगों के लिए एक कारगर औजार बन रही है।

ताजा विवाद सोशल मीडिया के एक लोकप्रिय मंच 'इंस्टाग्राम' से जुड़ा है, जिस पर पैसे लेकर ऐसे विज्ञापन दिखाने का आरोप है, जिसके जरिए बच्चे-बच्चियों के यौन शोषण की सामग्री का प्रसार हो रहा है। यही नहीं, उपयोगकर्ताओं को बच्चों के यौन शोषण के वीडियो मामूली खर्च पर खरीदने के लिए ऑनलाइन संपर्क भी दिए जा रहे हैं।

सवाल है कि अगर इस तरह की आपराधिक गतिविधियां व्यापक पहुंच रखने वाले एक लोकप्रिय सोशल मीडिया मंच पर चलाई जा रही हैं, तो इसके पीछे कौन लोग हैं और उन्हें बिना बाधा के यह सब करने की छूट और सुविधा कौन मुहैया करा रहा है। क्या 'इंस्टाग्राम' और उसकी संचालक कंपनी 'मेटा' की इसके लिए सीधी जिम्मेदारी नहीं बनती कि वह अपने मंच पर

आपराधिक हरकतों को फलने-फूलने की जगह दे रही है?

यह बेवजह नहीं है कि सरकार ने बाल यौन शोषण से जुड़ी सामग्री को बढ़ावा देने वाले इंस्टाग्राम विज्ञापनों के मामले में मेटा को तलब करने का निर्देश दिया है। हाल ही में सरकार ने मेटा के ही स्वामित्व वाले वाट्सऐप को उसकी नई उपयोगकर्ता सुविधा के मामले में नोटिस भेजा था, जिसमें नाम छिपाकर बात करने की छूट दी गई है। कहने को सोशल मीडिया के मंचों के अपने नियम-कायदे या दिशानिर्देश होते हैं, जिनके तहत वे आपत्तिजनक सामग्री को हटा देते हैं।

मगर ऐसा लगता है कि 'आपत्तिजनक सामग्री' की परिभाषा ये कंपनियां अपनी सुविधा और एजंडे के मुताबिक तय करती हैं। वरना सामाजिक और कानूनी तौर पर भी अपराध के दायरे में मानी जाने वाली अश्लील और बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के खिलाफ सख्ती और उन पर पूरी तरह रोक लगाने को लेकर वे उदासीन क्यों रहती हैं? ऐसे में यह क्यों नहीं माना जाए कि वे आपत्तिजनक सामग्री को प्रसारित करने के जरिए सिर्फ अपनी कमाई सुनिश्चित करती हैं और प्रकारांतर से वे भी ऐसी हरकतों की भागीदार होती हैं?

यह ध्यान रखने की जरूरत है कि इंस्टाग्राम पर विज्ञापन तभी जारी होते हैं, जब उसके मातहत काम करने वाले तंत्र की बेहद आधुनिक तकनीक उसे सही बताती है। ऐसे में जिस डिजिटल संसार में तेजी से साइबर अपराध का दायरा फैलता जा रहा है, उसमें आपराधिक हरकतों पर रोक लगाने के प्रति उदासीनता बरतने को कैसे देखा जाएगा? कोई भी तकनीक अपने आप में एक निरपेक्ष साधन है। समस्या तब आती है, जब इसके सकारात्मक और जनहित में उपयोग के बजाय न केवल बेजा इस्तेमाल की कोशिश की जाती है, बल्कि इसे आपराधिक हरकतों का भी जरिया बनाया जाने लगता है।

इंटरनेट की दुनिया ने इंसानी समाज के लिए बहुस्तरीय सुविधाएं मुहैया कराई हैं और इसकी उपयोगिता को देखते हुए ही इसका दायरा फैल रहा है। मगर इसके समांतर डिजिटल संसाधनों का ही सहारा लेकर ऐसी कई गतिविधियां संचालित की जा रही हैं या फिर लोग निजी स्तर पर भी उसका दुरुपयोग करने लगे हैं, जो अब व्यापक चिंता का कारण बन रही हैं।

तेलंगाना की रहस्यमयी दो मीनार मस्जिद

जरा हट के

भारत का इतिहास अपने भीतर स्थापत्य और वास्तुकला के ऐसे कई अनसुलझे रहस्य समेटे हुए है जिन्हें देखकर आधुनिक विज्ञान भी पूरी तरह हैरान रह जाता है. ऐसा ही एक ऐतिहासिक और वैज्ञानिक चमत्कार तेलंगाना के करीमनगर जिले में स्थित एलगंदल किले के समीप आज भी देखने को मिलता है. यहाँ बनी सदियों पुरानी दो मीनार मस्जिद न केवल कुतुब शाही और आसफ जाही दौर के गौरवशाली इतिहास को बयां करती है बल्कि अपने भीतर प्राचीन इंजीनियरिंग का एक अनूठा और नायाब उदाहरण भी छुपाए हुए है. चारमीनार की तरह ही यह इमारत भी अपने दौर की बेहतरीन कारीगरी का एक जीवंत उदाहरण पेश करती है जिसे देखने देश-विदेश से लोग आते हैं.भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा संरक्षित यह प्राचीन मस्जिद प्रसिद्ध एलगंदल किले से मात्र एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. इस मस्जिद की सबसे

बड़ी मुख्य विशेषता इसकी दो भव्य और काफी ऊंची मीनारें हैं. मध्यकालीन भारतीय वास्तुकला के अनुरूप निर्मित इन मीनारों के भीतर का हिस्सा बेहद संकरा और कलात्मक ढंग से तैयार किया गया है. मीनार के शीर्ष तक पहुँचने के लिए पत्थरों को बेहद सटीकता से तराशकर चक्राकार यानी घुमावदार सीढ़ियाँ बनाई गई हैं. इन तंग रास्तों से गुजरते हुए जब कोई व्यक्ति ऊपर पहुँचता है, तो वहाँ बने खूबसूरत झरोखों से सामने पहाड़ी पर स्थित ऐतिहासिक एलगंदल किला और आसपास का विहंगम प्राकृतिक दृश्य साफ दिखाई देता है.

हालाँकि, इस ऐतिहासिक इमारत की पहचान सिर्फ इसकी बाहरी खूबसूरती तक ही सीमित नहीं है. इन मीनारों को स्थानीय स्तर पर 'झूलती मीनारें' भी कहा जाता है. यह प्राचीन इंजीनियरिंग का ऐसा बेजोड़ और अकल्पनीय नमूना है कि यदि कोई व्यक्ति एक मीनार के ऊपरी हिस्से पर जाकर उसे हल्के से हिलाए, तो कुछ ही पलों में दूसरी मीनार में भी साफ तौर पर कंपन महसूस होने लगता है. सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है कि दोनों मीनारों को आपस में जोड़ने वाला मुख्य ढांचा इस दौरान पूरी तरह से स्थिर रहता है. मध्यकाल में भूकंपरोधी तकनीक के रूप में विकसित यह वैज्ञानिक समझ उस दौर के शिल्पकारों और इंजीनियरों की महान बुद्धिमत्ता को बखूबी दर्शाती है.

'रागी की अंबली'

सामग्री:

- रागी का आटा- 3 से 4 बड़े चम्मच
- पानी- 2.5 से 3 कप
- ताजी छाछ- 1 कप
- बारीक कटा हुआ प्याज- 2 चम्मच
- बारीक कटा हुआ हरा धनिया- 1 चम्मच
- बारीक कटी हुई हरी मिर्च- आधा छोटा चम्मच
- भुना हुआ जीरा पाउडर- आधा छोटा चम्मच
- नमक या काला नमक- स्वादानुसार

विधि:

सबसे पहले एक कटोरी में 3-4 चम्मच रागी का आटा लें। इसमें आधा कप पानी मिलाकर एक व्हिस्कर की मदद से अच्छी तरह घोल लें। इसे अच्छी तरह घोलें, ताकि इसमें कोई गांठ न बने और बिल्कुल स्मूथ घोल तैयार हो।

अब एक बर्तन में दो कप पानी

को उबलने के लिए गैस पर रखें। जब पानी में उबाल आ जाए, तो गैस की आंच को धीमा कर दें।

अब तैयार किए गए रागी के घोल को धीरे-धीरे उबलते पानी में डालें और दूसरे हाथ से लगातार चलाते रहें। इसे लगातार चलाते रहें, वरना गांठ बनने लग जाएगी।

धीमी से मध्यम आंच पर इसे 4-5 मिनट तक पकने दें। जैसे-जैसे रागी पकेगी, इसका रंग गहरा और चमकीला होने लगेगा और यह गाढ़ी हो जाएगी। जब यह अच्छी तरह पक जाए, तो गैस बंद कर दें और इस मिश्रण को पूरी तरह से ठंडा होने के लिए रख दें।

जब रागी का घोल पूरी तरह ठंडा हो जाए, तब इसमें एक कप छाछ डालें। इसके बाद इसमें स्वादानुसार नमक, भुना जीरा पाउडर, हींग, कटी हुई हरी मिर्च, बारीक कटा प्याज और हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें।

ठंडी-ठंडी रागी की अंबली तैयार है। ऊपर से थोड़े से बारीक कटे प्याज और पुदीने की पत्ती से गार्निश करके सर्व करें।

बार-बार छींक और बंद नाक से हैं परेशान?

सिर्फ धूल-मिट्टी नहीं, ये कारण भी करते हैं एलर्जी को ट्रिगर

हम अक्सर सोचते हैं कि एलर्जी का मतलब सिर्फ धूल-मिट्टी या किसी खास खाने से होने वाली परेशानी है। हम इन चीजों से बचते भी हैं, लेकिन फिर भी अचानक नाक बंद होना, छींकें आना या त्वचा पर लाल चकत्ते पड़ जाना हमारा पीछा नहीं छोड़ते। आखिर ऐसा क्यों होता है? पीजीआई चंडीगढ़ की एचओडी, डॉ. जयमंती बख्शी का कहना है कि इसके पीछे हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में छिपे कुछ ऐसे कारण हैं, जिन पर हमारा कभी ध्यान ही नहीं जाता। आइए, आसान भाषा में समझते हैं इन अनदेखे 'ट्रिगर्स' को जो आपकी एलर्जी को चुपचाप बढ़ा रहे हैं।

आपका अपना बेडरूम

हम अपने दिन का एक बड़ा हिस्सा बिस्तर पर बिताते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि यही जगह एलर्जी की सबसे बड़ी जड़ हो सकती है।

हमारे गद्दों, तकियों और चादरों में 'डस्ट माइट्स' नाम के ऐसे सूक्ष्म जीव पलते हैं जिन्हें हम नंगी आंखों से नहीं देख सकते। जब हम सांस लेते हैं, तो ये हमारे शरीर में चले जाते हैं।

पहचान कैसे करें: अगर आपको सुबह उठते ही सबसे ज्यादा छींकें आती हैं या नाक बंद लगती है, तो समझ जाइए कि समस्या बिस्तर में है।

बचाव का तरीका: चादरों और तकिये के गिलाफ को हर हफ्ते 60°C से ज्यादा गर्म पानी में धोएं। बेडरूम से कालीन हटाना और एलर्जेन-प्रूफ कवर का इस्तेमाल करना बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है।

ठंडी हवा के साथ उड़ती बीमारियां

गर्मियों में सुकून देने वाला एयर कंडीशनर या कूलर भी एलर्जी का बड़ा कारण बन सकता है। अगर इनके फिल्टर समय पर साफ न किए जाएं, तो ये पूरे घर में धूल, फफूंद और एलर्जी वाले कण फेंकने लगते हैं।

पहचान कैसे करें: एसी या कूलर चालू करते ही अगर आपकी तबीयत बिगड़ने लगे, तो तुरंत सतर्क हो जाएं।

बचाव का तरीका: हर 1 से 3 महीने में फिल्टर बदलें या अच्छी तरह साफ करें। अगर संभव हो, तो 'HEPA' ग्रेड वाले फिल्टर का चुनाव करें।

महकते घर के पीछे का जहरीला सच

हम घर को महकाने के लिए रूम फ्रेशनर, सुगंधित मोमबत्तियां या कपड़ों में फैब्रिक सॉफ्टनर का खूब इस्तेमाल करते हैं, लेकिन सच तो यह है कि ये चीजें हवा में ऐसे रसायन छोड़ती हैं जो हमारी सांस की नली को बुरी तरह परेशान करते हैं।

चूंकि भारतीय घरों में खिड़कियां अक्सर बंद रहती हैं, इसलिए इन रसायनों का असर और गहरा हो जाता है। नया पेंट, नया फर्नीचर और बनावटी फर्श भी कई हफ्तों तक हवा में हानिकारक गैसें छोड़ते हैं। अगर घर के अंदर रहने पर आपको एलर्जी ज्यादा महसूस होती है, तो इन खुशबूदार और केमिकल वाले प्रोडक्ट्स से दूरी बनाएं।

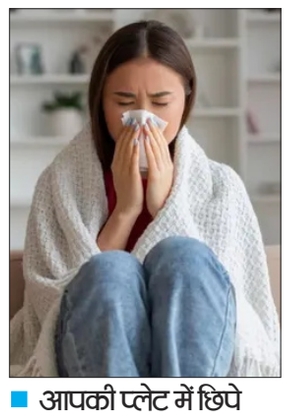

आपकी प्लेट में छिपे दुश्मन

पैकेट वाले खाने में जो रंग, प्रिजर्वेटिव्स और स्वाद बढ़ाने वाले तत्व डाले जाते हैं, वे कई बार 'हिडन एलर्जेंस' का काम करते हैं।

इसके अलावा, कुछ लोगों को कच्चे फल या सब्जियां खाने के बाद बिल्कुल वैसी ही एलर्जी होने लगती है जैसी धूल या पराग से होती है। अगर खाना खाने के बाद आपको दिक्कत होती है, तो एक डायरी बनाएं और लिखें कि आपने क्या खाया था। इससे असली कारण पकड़ने में बहुत मदद मिलेगी।

आज का राशिफल

मेष : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कुसंगति व जल्दबाजी से बचें। विवेक से कार्य करें, लाभ होगा। कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च की अधिकता से मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ : कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। आर्थिक साधनों में बढ़ोतरी होगी। सामाजिक कार्यों में सीमित रहना चाहिए। समय का सदुपयोग होगा। परिवार में सुख-शांति रहेगी।

मिथुन : संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रवास में सावधानी रखें। विरोधियों एवं शत्रुओं के कारण अशांति होगी। नवीन कार्ययोजना की बातचीत में सफलता मिलने के संयोग बनेंगे।

कर्क : स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। व्यापार में स्वयं के निर्णय से काम कर पाएंगे। स्थायी संपत्ति क्रय करने में जल्दबाजी न करें। साहस, पराक्रम में वृद्धि होगी। अपनी वस्तुओं को संभालकर रखें।

सिंह : मेहनत अधिक होगी। बुरी खबर मिल सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार, नौकरी में स्थिति मध्यम रहेगी। बुद्धि, विवेक से कार्य करने पर विघ्न-बाधाएं दूर हो सकेंगी। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें।

कन्या : मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में गति आएगी। आर्थिक समस्याओं का निराकरण संभव है। व्यापार, कारोबार में नई जवाबदारी बढ़ेगी। धर्म में रुचि रहेगी।

तुला : पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छे समाचार मिलेंगे। विवाद से बचें। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। परिवार में शांति का अनुभव होगा। व्यापार-व्यवसाय में अनुकूल अवसर प्राप्त होंगे। कानूनी कार्रवाई, कोर्ट-कचहरी के मामलों से दूर रहना चाहिए।

वृश्चिक : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। प्रसिद्ध व्यक्ति से मेलजोल बढ़ेगा। मकान, वाहन के क्रय-विक्रय की चर्चा संभव है। संतान की प्रगति से मन प्रसन्न रहेगा। रुका पैसा प्राप्त होगा।

धनु : अप्रत्याशित खर्च होंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। वस्तुएं संभालकर रखें। आर्थिक स्थिति से ऋण की समस्या उभरेगी। चापलूसों से सावधान रहें। लेन-देन में सावधानी रखें। अनिर्णय की परिस्थिति से दूर रहना चाहिए।

मकर : यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भौतिक सुख-साधनों की प्राप्ति होगी। व्यापार में नई योजनाओं का श्रीगणेश संभव है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। कार्यक्षमता में वृद्धि होगी।

कुंभ : कार्यस्थल पर सुधार होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। योजना फलीभूत होगी। धनार्जन होगा। आर्थिक क्षेत्र में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। समाज, परिवार में आपकी सलाह को महत्व मिलेगा। अध्ययन में रुचि बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन में मतभेद खत्म होंगे।

मीन : पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। अपनी भावनाओं को संयमित रखकर कार्य करें। भागीदारी के कार्यों में आपके द्वारा लिए गए निर्णयों से लाभ होगा। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बारिश में बढ़ गया है छिपकलियों का आतंक

बरसात का मौसम आते ही घरों में कीड़े-मकोड़ों की संख्या बढ़ने लगती है. इन्हीं कीड़ों को खाने के लिए छिपकलियां भी अपने छिपने की जगहों से बाहर निकल आती हैं. कई बार घर की दीवारों, छतों, खिड़कियों और रसोई के कोनों में छिपकलियां काफी ज्यादा दिखाई देने लगती हैं. खासतौर पर रात के समय इनकी गतिविधियां बढ़ जाती हैं, जो परेशान करने वाली होती है. आमतौर पर छिपकलियां हमला नहीं, लेकिन घर में उनकी मौजूदगी असहज महसूस करा सकती है. इसके अलावा हाइजीन के नजरिए से रसोई में इनके आने से खाने-पीने की चीजों सेफ्टी को लेकर भी चिंता बढ़ जाती है. ऐसे में अगर आपके घर में भी बरसात के दिनों में छिपकलियां ज्यादा नजर आने लगी हैं, तो कुछ आसान घरेलू उपाय आजमा सकते हैं. इन उपायों में इस्तेमाल होने वाली ज्यादातर चीजें आपके किचन में आसानी से मिल जाएंगी.

करें ये घरेलू उपाय

काली मिर्च का स्प्रे करें इस्तेमाल

छिपकलियों को तेज गंध पसंद नहीं होती. इसके लिए आप काली मिर्च को पानी में मिलाकर एक स्प्रे तैयार कर सकते हैं. इस मिश्रण को उन जगहों पर छिड़कें जहां छिपकलियां अक्सर दिखाई देती हैं. इसकी गंध से छिपकलियां उस जगह से दूर रहने लगती हैं. स्प्रे का इस्तेमाल करते समय बच्चों और पालतू जानवरों का विशेष ध्यान रखें.

अंडे के छिलके रख सकते हैं मददगार

कई लोग मानते हैं कि छिपकलियां अंडों की गंध से दूर भागती हैं. यदि घर में उबले हुए

अंडों के छिलके बच जाते हैं, तो उन्हें फेंकने के बजाय उन जगहों पर रख दें जहां छिपकलियां अधिक आती हैं. समय-समय पर इन छिलकों को बदलते रहें ताकि उनकी गंध बनी रहे.

लहसुन और प्याज का करें उपयोग

लहसुन और प्याज की तेज गंध भी छिपकलियों को पसंद नहीं होती. इसके लिए लहसुन और प्याज का पेस्ट बनाकर थोड़ा पानी मिलाएं और स्प्रे तैयार कर लें. इस मिश्रण को दीवारों, खिड़कियों, दरवाजों और कोनों के आसपास छिड़कें. इससे छिपकलियां उन जगहों से दूर रहने लग सकती हैं.

नीम के धुएं का लें सहारा

नीम को प्राकृतिक कीट-रोधी माना जाता है. घर में जहां छिपकलियां ज्यादा दिखाई देती हैं, वहां नीम की सूखी पत्तियों का धुआं किया जा सकता है. इसकी गंध कई तरह के कीड़ों के साथ-साथ छिपकलियों को भी दूर रखने में मदद कर सकती है.

नींबू के छिलके दिला सकते हैं दाग-धब्बों से छुटकारा

कई बार देखा जाता है कि नींबू को इस्तेमाल के बाद लोग उसके छिलके को फेंक देते हैं. दरअसल, नींबू के छिलके में भी एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाई जाती है और विटामिन सी भी. ऐसे में रांची की ब्यूटी एक्सपर्ट सुनिधि बताती हैं कि इसको अपने कोहनी अपने घुटने व अपने पैर में रगड़ लें. यह प्राकृतिक रूप से कालेपन को साफ कर देता है. आइये जानते हैं इसके बारे में.

बस नींबू को रगड़ें इस तरह

इसके लिए आपको कुछ अधिक नहीं, बस जो नींबू आप इस्तेमाल कर लेते हैं, उसके छिलके को सुरक्षित रखना है. अब उसमें थोड़ा सा चीनी जो आप घर में साधारण इस्तेमाल करते हैं, उसके कुछ दाने डाल दीजिए और थोड़ा सा बेकिंग सोडा डाल दीजिए. यह सब नींबू के छिलके के अंदर ही डालना है और फिर अपने कोहनी, घुटने और जहां पर शरीर में कालापन है. वहां पर रगड़ लीजिए.

ध्यान रखना है कि ऐसा आपको 1-2 मिनट तक लगातार

करते रहना है, मतलब रगड़ते रहना है. फिर इसको कम से कम आधा घंटा छोड़ देना है. अगर आपके पास बहुत समय है तो एक घंटा भी छोड़ दीजिए, कोई दिक्कत नहीं और इसके बाद साफ पानी से इसको धो लीजिए. ऐसा आप सुबह- शाम करिए. एक हफ्ता में ही आपको रिजल्ट देखने को मिल जाएगा.

पार्लर जाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

ब्यूटी एक्सपर्ट सुनिधि बताती हैं कि नीबू में एंटीऑक्सीडेंट तो है ही, साथ में विटामिन सी और फोलिक एसिड भरपूर मात्रा में पाई जाती है. इस वजह से यह शरीर के डेड स्किन को बड़े ही आसानी से हटा देता है. जहां बेकिंग सोडा गंदगी को हटाने में कारगर है और चीनी बढ़िया से स्क्रब करता है. यह तीनों का जब मिश्रण मिलता है तो अच्छे से अच्छे स्किन और कालापन एकदम हट जाती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

थाने में रेप के आरोपी की तबीयत बिगड़ने से मौत; परिजन बोले- पुलिस से पिटाई से गई जान

शाहजहांपुर. उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के सिंधौली थाने में दुष्कर्म के एक मामले में पूछताछ के लिए लाए गए आरोपी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने पुलिस पर थाने में मारपीट करने का आरोप लगाया है। वहीं पुलिस ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि आरोपी की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी और उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, एक नाबालिग लड़की ने अपने सौतेले पिता प्रदीप के खिलाफ तहरीर देकर आरोप लगाया था कि वह पिछले तीन वर्षों से उसके साथ दुष्कर्म कर रहा था। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देता था और उसकी शादी हो जाने के बाद भी उसे घर आने के लिए दबाव बना रहा था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पानी भरी बाल्टी में गिरने से बच्ची की मौत

मुरादाबाद. मुरादाबाद के जयंतीपुर में रविवार सुबह एक साल की मासूम बच्ची की बाल्टी में गिरने से मौत हो गई। वह अपनी ननिहाल आई हुई थी। घटना के समय वह घर में खेल रही थी और अचानक बाथरूम की तरफ चली गई थी। मुंह के बल पानी में गिरने के कारण दम घुटने से उसकी जान गई। हादसे के बाद दोपहर बाद शव को कुंदरकी लाकर सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया। रविवार सुबह करीब 9 बजे एक वर्षीय आयत घर में खेलते-खेलते बाथरूम में पहुंच गई। परिजनों के मुताबिक, बाथरूम में रखी छोटी बाल्टी में वह मुंह के बल गिर गई, जिससे उसका चेहरा पानी में डूब गया। जब तक परिजनों की नजर उस पर पड़ी, तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं।

महिला कांस्टेबल संग कमरे में रंगरेलियां मना रहा था सिपाही, पत्नी ने बोला धावा; जमकर पीटा

हमीरपुर : उत्तर प्रदेश के हमीरपुर से एक हैरान कर देने वाली तस्वीर सामने आई है। यहां प्रतापगढ़ से अपनी तीन महीने की मासूम बच्ची के साथ आई महिला ने पुलिस और परिवार के कुछ अन्य सदस्यों के साथ एक कमरे पर धावा बोलकर अपने सिपाही पति को महिला कांस्टेबल के साथ रंगरेलियां मनाते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में महिला पुलिस के सामने ही अपने पति के बाल खींचते और तमाचे मारते हुए दिख रहा है। पुलिस सिपाही पति और महिला कांस्टेबल दोनों को अपने साथ कोतवाली ले गई।

विधवा मां ने नवजात को जिंदा दफनाया!

बुलंदशहर. बुलंदशहर के नरसैना क्षेत्र के एक गांव में विधवा महिला ने बच्चे को जन्म दिया। चर्चा है कि जन्म के बाद बच्चे को उसने जिंदा दफना दिया। एक जुलाई को दफनाए गए नवजात के शव को पुलिस ने शनिवार देर रात कब्र खोदकर बाहर निकलवाया। मौके पर फॉरेंसिक टीम ने भी जांच की है, शव का डीएनए सैंपल भेजा जा रहा है। जेठानी की तहरीर पर विधवा के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। गांव की एक महिला की जेठानी ने थाने में तहरीर दी थी। आरोप लगाया था कि उसकी देवरानी जो पिछले 8 साल से विधवा है, उसने 30 जून-1 जुलाई की रात एक बच्चे को जन्म दिया। एक जुलाई की सुबह गांव के एक बंद मकान के बरामदे में नवजात का शव मिला। आवारा जानवरों द्वारा शव को नुकसान पहुंचाए जाने के बाद स्थानीय लोगों ने उसे गांव में ही दफना दिया था।

महाराष्ट्र में भारी बारिश का कहर

- भूस्खलन से दबे कई घर
- मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे ठप
- मुंबई में अब तक 13 की मौत

मुंबई. महाराष्ट्र में आसमान से बरस रही आफत ने भारी तबाही मचाई है। सोमवार सुबह पुणे जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से एक बड़ा भूस्खलन हो गया। पहाड़ी का एक हिस्सा टूटने से करीब पांच घर मलबे में दफन हो गए हैं। इस हादसे में कम से कम तीन लोगों के मलबे के नीचे दबे होने की आशंका है, जिन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। इस आपदा का सीधा असर मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भी पड़ा है, जहां लैंडस्लाइड और जलभराव के बाद ट्रैफिक को पूरी तरह रोक दिया गया है।

मलबे में जिंदगियों की तलाश, NDRF मोर्चे पर

लोनावला डिविजन के डिप्टी एसपी गजानन तोमपे ने बताया कि मावल के एक सुदूर गांव में भारी बारिश के चलते तीन जगहों पर जमीन खिसकने की घटनाएं हुई हैं। इनमें से एक घटना में घर मलबे के नीचे दब गया। अंदेशा है कि जब सुबह-सुबह यह हादसा हुआ, तब घर के अंदर तीन लोग मौजूद थे।

हादसे की खबर मिलते ही जिला प्रशासन ने तुरंत NDRF से मदद मांगी। इसके बाद पुणे से NDRF की 5वीं बटालियन की 30 सदस्यों वाली एक खास टीम को तुरंत पाटन गांव के लिए रवाना किया गया, जो राहत और बचाव कार्य में जुटी है।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे बंद, सफर टालने की सलाह

इस भूस्खलन ने मुंबई और पुणे के बीच की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। भारी बारिश, बाढ़ जैसे हालात और लैंडस्लाइड के खतरे को देखते हुए प्रशासन ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे और पुराने मुंबई-पुणे हाईवे, दोनों पर गाड़ियों की आवाजाही को अगले आदेश तक पूरी तरह सस्पेंड कर दिया है।

पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी कर लोगों से अपील की है- जब तक बहुत जरूरी न हो, पुणे और मुंबई के बीच यात्रा करने से बचें। मौसम के मिजाज को देखते हुए अपनी यात्रा को फिलहाल टाल दें और प्रशासन की ओर से जारी ट्रैफिक अपडेट्स पर नजर रखें।

दिलचस्प बात यह है कि अभी दो महीने पहले ही सह्याद्रि की पहाड़ियों से गुजरने वाला 13 किलोमीटर लंबा 'मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे मिसिंग लिंक' शुरू हुआ था, जिससे सफर का समय करीब आधा घंटा घट गया था। लेकिन कुदरत के इस कहर के आगे फिलहाल यह रूट भी थम गया है।

थमने लगी रफ्तार, हाई टाइड का खतरा

सिर्फ पुणे ही नहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में भी लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मौसम विभाग (IMD) ने मुंबई, ठाणे और रायगढ़ जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है, जिसका मतलब है कि अभी भारी से बहुत भारी बारिश और तेज हवाओं का दौर जारी रहेगा।

लोकल ट्रेनें प्रभावित : पटरियों पर पानी भरने और कुछ जगहों पर छोटे-मोटे लैंडस्लाइड के कारण रेल सेवा पर बुरा असर पड़ा है, जिससे दफ्तर जाने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

नीरव मोदी को बड़ा झटका

- हार गया आखिरी कानूनी लड़ाई
- कभी भी हो सकता है प्रत्यर्पण

लंदन. भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय (ECHR) से करारा झटका लगा है। वह अपनी आखिरी कानूनी लड़ाई भी हार गया है। अंतिम कानूनी याचिका खारिज होने के बाद अब उसके प्रत्यर्पण की राह में कोई बाधा नहीं बची है। रिपोर्ट है कि ब्रिटेन सरकार ने नीरव मोदी को भारत सौंपने की प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी है और भारतीय अधिकारियों के साथ राजनयिक समन्वय चल रहा है। न्यूज18 की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन की सभी घरेलू अदालतों में अपीलें समाप्त होने के बाद नीरव मोदी ने अप्रैल 2026 में ECHR में अंतिम याचिका दायर की थी। अदालत ने उसे कोई अंतरिम राहत या रोक नहीं दी। इसके साथ ही प्रत्यर्पण को चुनौती देने का आखिरी कानूनी विकल्प भी खत्म हो गया है। ऐसे में कभी भी उसका प्रत्यर्पण हो सकता है।

सात साल से जेल में है नीरव मोदी

नीरव मोदी मार्च 2019 से लंदन की एचएमपी वैंड्सवर्थ जेल में बंद है। इस दौरान उसने ब्रिटिश अदालतों में जमानत और प्रत्यर्पण रोकने के लिए कई याचिकाएं दायर की, लेकिन हर बार असफल रहा। अप्रैल 2021 में तत्कालीन गृह सचिव प्रीति पटेल ने उनके प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी। मार्च 2026 में उसने एक बार फिर प्रत्यर्पण कार्यवाही को रोकने का प्रयास किया और दावा किया कि भारत भेजे जाने पर उसके साथ यातना का खतरा है। यह याचिका भी खारिज हो गई। इसके बाद ECHR में निषेधाज्ञा की मांग वाली याचिका दायर की गई, जिसे अब खारिज कर दिया गया है।

हाफिज सईद ने पाकिस्तान से रची पहलगाम हमले की साजिश

- NIA ने सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की
- भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप

नई दिल्ली. नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की। इसमें पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के प्रमुख और द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) के संस्थापक हाफिज सईद का नाम जोड़ा गया है।

NIA ने चार्जशीट में उस पर भारत के खिलाफ जंग छेड़ने, सीमा पार से साजिश रचने और पहलगाम हमले में भूमिका निभाने का आरोप लगाया है। NIA ने हाफिज सईद को व्यक्तिगत तौर पर भी आरोपी बनाया है। उसके खिलाफ UAPA की कई धाराएं लगाई गई हैं।

NIA ने कहा कि यह सप्लीमेंट्री चार्जशीट पहले दाखिल 1,597 पन्नों की चार्जशीट का हिस्सा है। NIA ने 15 दिसंबर 2025 को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें पाकिस्तान के आतंकी हैंडलर साजिद जट समेत 6 आतंकियों को आरोपी बनाया था।

आतंकियों को रियल टाइम जायरेक्शन मिल रहा था: लश्कर-ए-तैयबा आतंकी सैफुल्लाह उर्फ सैफुल्लाह साजिद जट्ट उर्फ लंगड़ा को मास्टरमाइंड बताया गया था। साजिद, पाकिस्तान के लाहौर में कसूर में रहता है। साजिद जट्ट ही आतंकियों का मेन हैंडलर था। वह उन्हें रियल टाइम डायरेक्शन दे रहा था। उसने ही हमले वाली जगह बैसरन वैली की लोकेशन भेजी थी। हमले के दौरान भी वह लगातार आतंकियों से बात कर रहा था।

LPG पर मोदी सरकार का सबसे बड़ा दांव!

- रसोई गैस सप्लाई बढ़ाने को लिया ये ऐतिहासिक फैसला, गल्फ देशों पर घटेगी निर्भरता?

नई दिल्ली. भारत सरकार अब रसोई गैस (LPG) की सप्लाई को और सुरक्षित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश की सरकारी तेल कंपनियां अब अमेरिका (US) से एलपीजी की खरीद को मौजूदा स्तर से लगभग दोगुना करने की तैयारी में हैं। इसका मुख्य उद्देश्य गल्फ देशों (मध्य पूर्व) पर निर्भरता कम करना और भविष्य में किसी भी वैश्विक संकट के दौरान देश में गैस की कमी न होने देना है। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं। फिलहाल, भारत हर साल अमेरिका से करीब 22 लाख टन (2.2 मिलियन टन) एलपीजी खरीदता है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार अब इस मात्रा को लगभग दोगुना करने पर विचार कर रही है। इसके साथ ही भारत अल्जीरिया जैसे अन्य देशों से भी एलपीजी आयात बढ़ाने की संभावनाएं तलाश रहा है, ताकि गैस सप्लाई के लिए किसी एक क्षेत्र पर अधिक निर्भर न रहना पड़े। दरअसल, इस साल पश्चिम एशिया (West Asia) में बढ़े तनाव और ईरान-इजरायल-अमेरिका से जुड़े घटनाक्रम के दौरान स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज (Strait of Hormuz) से गुजरने वाले कई एलपीजी जहाज प्रभावित हुए थे। उस समय भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता रसोई गैस की उपलब्धता थी। ऐसे मुश्किल समय में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा वैकल्पिक एलपीजी सप्लायर बनकर सामने आया और उसने लगातार गैस की आपूर्ति जारी रखी।

सरकारी अधिकारियों का कहना है कि कच्चे तेल (Crude Oil) की उपलब्धता को लेकर उतनी चिंता नहीं थी, लेकिन एलपीजी की सप्लाई प्रभावित होने का खतरा काफी बड़ा था। दुनिया में गल्फ देशों के अलावा बहुत कम देश बड़े पैमाने पर एलपीजी का उत्पादन करते हैं। ऐसे में अमेरिका से अतिरिक्त सप्लाई मिलने से भारत को काफी राहत मिली।

अब सरकार सिर्फ आयात बढ़ाने तक सीमित नहीं रहना चाहती। पेट्रोलियम मंत्रालय ने तेल विपणन कंपनियों (OMCs) को 30 दिनों का स्ट्रेटजिक LPG रिजर्व (Strategic Reserve) तैयार करने की योजना पर काम करने को कहा है।

शेर का किसान पर हमला

भावनगर. गुजरात के भावनगर के पालीताना तालुका में सोमवार सुबह शेर ने किसान पर हमला कर दियाा। कालूभाई बोगभाई परमार ने बताया कि शेर ने मेरी पीठ पर वार किया और मुझे गिरा दिया। फिर उसने मेरा हाथ अपने मुंह में पकड़ लिया। उसने मुझे करीब आधे घंटे तक पकड़े रखा।

कालूभाई ने बताया, 'मैं लगातार उससे छूटने की कोशिश करता रहा। मैंने उसे खरोंचा भी, लेकिन उसकी पकड़ मजबूत थी।' शेर ने इसके पहले एक और व्यक्ति पर हमले की कोशिश की, लेकिन उसने भाग कर खुद को घर में बंद कर लिया। भावनगर, गिर नेशनल पार्क के इलाके में है। यहां अक्सर घरों और खेतों के आसपास शेर देखे जा सकते हैं।

68 मिसाइल और 351 ड्रोन से दहला यूक्रेन

- नाटो समिट से पहले रूस का शक्ति प्रदर्शन, 14 की मौत

यूक्रेन एक बार फिर रूसी से हमले से दहला उठा है। राजधानी कीव पर ताबड़तोड़ मिसाइल और ड्रोन हमले में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। इस घटना में 46 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हं। कीव इलाके के सैन्य प्रशासन के प्रमुख तिमुर तकाचेंको ने इस घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि रूसी हमलों में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 46 लोग घायल हुए हैं, जिनमें पांच बच्चे शामिल हैं। आपातकालीन सेवाओं ने बताया कि शहर के विभिन्न इलाकों में तीन और लोगों की मौत हुई है। तकाचेंको ने टेलीग्राम पर लिखा कि 20 से अधिक जगहों पर बचाव अभियान चल रहे हैं।

वहीं, मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि रूसी बैलिस्टिक मिसाइलों ने कई इमारतों को क्षतिग्रस्त किया, अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में आग लग गई और गोदामों तथा गैरेज वर्कशॉप को नुकसान पहुंचा। सुबह तक तीन बड़ी इमारतें आंशिक रूप से ढह गईं। बचावकर्मी मलबे में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि हेलीकॉप्टर नदी से पानी लेकर आग बुझाने की कोशिश की जा रही है

नाटो शिखर सम्मेलन से ठीक पहले हमला

बता दें कि ये हमले तुर्की में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन से महज पहले हुए हैं, जहां यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की उम्मीद है। हमलों से कुछ घंटे पहले जेलेंस्की ने चेतावनी दी थी कि गुरुवार के हमले के बाद रूस एक और बड़ा हमला करने की तैयारी कर रहा है।

राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने खेली धमाकेदार पारी

- वनडे मैच में दिखाई T20 वाली ताकत

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और हेड कोच रहे राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ भी अब क्रिकेट की दुनिया में अपने पैर जमाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इस समय भले ही वह अंडर 19 क्रिकेट खेल रहे हैं, लेकिन उन्होंने दिखा दिया है कि वह कमाल के बल्लेबाज बनने की राह पर हैं। वनडे मैच में ऐसी बल्लेबाजी अन्वय द्रविड़ ने की, जिससे खुद राहुल द्रविड़ भी शर्मा जाएं, क्योंकि जिस तरह की बल्लेबाजी उन्होंने इंडिया अंडर 19 टीम के लिए 50-50 ओवर के मैच में की है, ऐसी बल्लेबाज कुछ बल्लेबाज तो टी20 मैच में करते हैं।

अन्वय द्रविड़ ने 67 गेंदों में 87 की शानदार पारी खेली, जिससे इंडिया अंडर-19 टीम ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे युवा वनडे मैच में सभी विकेट खोकर 285 रन बनाए। अन्वय द्रविड़ की ही पारी थी, जिसकी बदौलत टीम 280 के पार पहुंच पाई। वे ऐसे समय पर बल्लेबाजी के लिए जब आए टीम मुश्किल में थी। 78 रन पर 3 विकेट इंडिया अंडर 19 टीम ने खो दिए थे। यहां तक चौथा विकेट भी जल्दी गिर गया था, लेकिन अन्वय द्रविड़ ने एक छोर संभाला और दूसरे छोर से उन्हें अर्जुन राजपूत का साथ मिला।

अन्वय द्रविड़ और अर्जुन ने मिलकर 140 रनों से ज्यादा की साझेदारी की। इस दौरान अर्जुन 81 गेंदों में 76 रन बनाकर रन आउट हो गए। अन्वय ने आगे बल्लेबाजी जारी रखी और वे 67 गेंदों में 87 रनों की पारी खेलने में सफल रहे। वे शतक से चूक गए, लेकिन टीम को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया था।

अन्वय और अर्जुन ने संकट से उबारा

अन्वय (नौ चौके और एक छक्का) और अर्जुन राजपूत (76) ने टीम को संकट से उबारा। विकेटकीपर-बल्लेबाज अन्वय और राजपूत ने पांचवें विकेट के लिए 145 रन जोड़कर भारत को 221 रन तक पहुंचाया। राजपूत के आउट होने से यह साझेदारी टूटी। अन्वय ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और 47 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उनके पास शतक बनाने का अच्छा मौका था, लेकिन वह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गिम्हान मेंडिस के हाथों आउट हो गए.

बेंगलुरु में शर्मनाक हरकत, स्टंटबाजों ने रोका एम्बुलेंस का रास्ता

बेंगलुरु. बेंगलुरु की सड़कों पर रील बनाने और स्टंट करने का एक ऐसा शर्मनाक वीडियो सामने आया है, जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। शनिवार तड़के कुछ मनचले युवकों ने न सिर्फ व्यस्त सड़क पर जानलेवा स्टंट किए, बल्कि एक गंभीर मरीज को ले जा रही एम्बुलेंस का रास्ता भी रोक दिया। ड्राइवर लगातार सायरन और हॉर्न बजाता रहा, लेकिन इन स्टंटबाजों के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद लोगों का गुस्सा भड़क उठा है। यह पूरी घटना शनिवार तड़के करीब 2:30 से 3:00 बजे के बीच की बताई जा रही है। गोरागुंटेपाल्या से यशवंतपुर रेलवे स्टेशन के बाहरी इलाके तक 5 से 6 बाइकों पर सवार युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। उसी वक्त वहां से एक एम्बुलेंस गुजर रही थी, जिसमें एक मरीज जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा था और उसे तुरंत इलाज की जरूरत थी। एम्बुलेंस का सायरन पूरी ताकत से बज रहा था, लेकिन आगे चल रहे हुड़दंगियों ने उसे साइड देने के बजाय पूरी सड़क घेर ली.

उल्हासनगर महानगरपालिका
वैद्यकीय आरोग्य विभाग

"हिवताप दूर करण्यासाठी कटिबद्धः आता हे शक्य आहे, आता हे केलेच पाहिजे"

✲ मलेरिया, डेंग्यु आणि चिकनगुनिया पासून वाचविण्यासाठी जनतेला नम्र आवाहन
- मलेरिया, डेंग्यु आणि चिकनगुनिया रोगांचा प्रसार डासामार्फत होतो.
- या डांसाची उत्पत्ती स्वच्छ, साठवलेल्या पाण्यात होते.
उदा : रांजण, माठ, पाण्याची टाकी, रिकाम्या बाटल्या, नारळाच्या करवंटया, टायर्स इत्यादी.

लक्षणे
- ताप, मळमळ, उलट्या, अंगावर पुरळ येणे, सांधेदुखी ही प्रमुख लक्षणे आहेत.
- सर्व वयोगटात हा रोग आढळून येतो.
- दुषित डास चावल्यानंतर कोणालाही हा रोग होऊ शकतो.

✲ मलेरिया, डेंग्यू व चिकनगुनिया तापाचा प्रसार कसा थांबविता येईल ?
- दर बुधवारी घरोघरी "कोरडा दिवस" (ड्राय डे) पाळावा.
- यामध्ये घरातील पाण्याचे सर्व साठे दर आठवडयाला एकदा रिकामे करावेत.
- या साठ्याच्या आतील बाजू व तळ घासून पुसून कोरडया करून पुन्हा वापराव्यात.
- पाण्याचे साठे झाकून ठेवावेत.
- फुलदाण्या, त्याखालचे ट्रे, गच्ची, जुने टायर्स, फुटकी भांडी, वातानुकुलित यंत्रे, माशांची टँक, फ्रीझमधले ट्रे यावर सतत लक्ष ठेवा.
- मच्छरदानी व मच्छर अगरबत्ती यांचा उपयोग करा.

✲ लेप्टोस्पायरोसिस रोगाची लक्षणे

- ताप येऊन थंडी वाजणे, डोके दुखी अंगदुखी, मुख्यतः पायाचे व मांडीचे स्नायु दुखणे
- डोळे लाल होणे, त्वचेवर पुरळ येणे किंवा भेगा पडणे ✲ श्वसनास त्रास होणे, खोकला होणे.
- डेंग्यू, फ्लू ताप, काविळ, चिकनगुनिया यासारख्या रोगाशी साधर्म्य आहे.

✲ प्रतिबंध कसा करावा
- अंगावरील विशेषतः पाय व तळव्यावरील प्रत्येक जखमेसाठी उपचार करून घेणे - गटारांत पाणी तुंबणार नाही याबाबत जागरूक रहाणे
- उघड्या पायाने पावसाच्या पाण्यात जाणे टाळावे, पायावर जखम ओरखडा सत्यात व्यवस्थित ड्रेसिंग करून घ्यावे
- पायावर जखम असल्यास व पावसाच्या पाण्यात जाऊन आल्यास तात्काळ जखम स्वच्छ पाण्याने धुवून त्यावर अँटी सेप्टीक औषधे लावावीत.
- संरक्षण साधणे हात मोजे, पायमोजे, गरम बुट वापरावेत - पावसाळ्याच्या दिवसात पूरस्थितीमध्ये विशेष काळजी घ्यावी
- पाळीव जनावरांशी संपर्क आल्यानंतर हातपाय साबणाने स्वच्छा धुवावेत - गुरांच्या आजुबाजुचा परिसर स्वच्छ ठेवावा.
- मृत जनावरांना हात लावणे टाळावे. - कुटुंबातील बालके, महिला, युवक तसेच पुरुष या जोखमीच्या गटातील व्यक्तींना या आजाराबाबत माहिती द्यावी, आजारी प्राण्यांवर पशुवैद्यकिय दवाखान्याद्वारे उपचार करून घ्या.

सदरील रोगांवरील तपासणी व उपचार सर्व नागरी आरोग्य केंद्र, मध्यवती रूग्णालय, उल्हासनगर -३ आणि शासकीय प्रसुतीगृह, उल्हासनगर - ४. येथे मोफत उपलब्ध आहेत.

डॉ.सत्यम गुप्ता	श्री.अनंत जवादवार	श्री.धिरज चव्हाण	श्रीम.सविता प्र.तोरणे (रगडे)	श्री.अमर गोविंदराम लुंड	श्रीम.अश्विनी कमलेश निकम	श्रीम.मनिषा आव्हाळे
वैद्यकिय आरोग्य अधिकारी	उप-आयुक्त, वै.आ.अ.	अतिरिक्त आयुक्त	सभापती	उप-महापौर	महापौर	आयुक्त

संक्षेप...

भिवंडी से युवक लापता

- तलाश में मदद की अपील

भिवंडी. भिवंडी नदी नाका स्थित अलसबा मेडिकल के बगल खोली में रहने वाला शौकत अली (24) 19 जून से लापता हो गया है. हरा टी शर्ट, जींस पहने हुए गुमशुदा शौकत मलिक थोड़ा मंदबुद्धि है.भाई मो.अक्सीर ने शौकत को कहीं दिखने पर 9325695035/ 7410192429 पर फोन करने की करबद्ध अपील लोगों से की है.

भिवंडी का प्रवेश द्वार बना जलाशय

- वाहन चालकों की मुसीबत
- पानी में बंद हो रहे बाइक, स्कूटी.

भिवंडी. भिवंडी शहर का प्रमुख द्वार कहा जाने वाला भिवंडी-कल्याण मार्ग राजनोली नाका के आगे से साईं बाबा मंदिर तक नाला, गटर की सफाई ठीक से नहीं होने से बारिश होने पर जलाशय की शक्ल में दिखाई पड़ने लगा है. शहर के मेन मार्ग पर करीब 1 से 2 फीट पानी भर जाने से चार पहिया,दुपहिया और पैदल यात्रियों को खासी दिक्कत झेलनी पड़ रही है.पानी भरने से वाहनों को रेंग रेंग कर जाने की मजबूरी होने से ट्रैफिक जाम लग रहा है.क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि,मनपा द्वारा करीब 50 लाख रुपए खर्च कर पद्मदिशा पैराडाइज,शक्ति ग्रुप के सामने बनाया हुआ नाला बेहद घटिया निर्माण होने से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया.50 लाख की लागत से निर्मित नाले से जलनिकासी का कोई फायदा नहीं हुआ.क्षेत्रीय इंजीनियर और ठेकेदार ने मिलीभगत कर आधा-अधूरा निर्माण कार्य कर पैसा डकार लिया.

आश्चर्यजनक है कि,शहर के महापौर, भिवंडी मनपा आयुक्त अतिरिक्त आयुक्त, मनपा उपायुक्त, सांसद, विधायक प्रतिदिन भिवंडी के इसी मार्ग से सुबह-शाम आते जाते हैं बावजूद प्रवेश द्वार की दशा सुधारने को लेकर कोई गंभीर नहीं है.भिवंडी शहर के मेन मार्ग के किनारे निर्मित हो रही गगनचुम्बी इमारतों के सामने निर्मित आधे अधूरे नालों से पानी की जलनिकासी अपर्याप्त तरीके से होने से समूचा मार्ग जलाशय की शक्ल में तब्दील होता दिखाई पड़ता है.मनपा प्रशासन की लापरवाही और भ्रष्टाचार का आलम यह है कि,करीब 3 करोड़ रूपया खर्च करने के बाद भी शहर में हर जगह पर जलजमाव की स्थिति देखी जा रही है. शहर के तमाम निचले एरिया में तालाब जैसी दशा हो गई है. शहर के प्रमुख बाजार तीन बत्ती, खड़क रोड, शिवाजी चौक, संगम पाड़ा, म्हाडा कालोनी, बारीकियां कंपाउंड,बंजार पट्टी ताज साइजिंग मार्ग, घूंघट नगर, गोपाल नगर, कमला होटल से टोरेंट ऑफिस, नई बस्ती, आज़मी नगर, अंजुरफाटा से देवजी नगर नाका, अंबिका नगर,दरगाह रोड सहित भिवंडी शहर सहित ग्रामीण एरिया में स्थित औद्योगिक क्षेत्र में बारिश की वजह से जगह-जगह पानी भरने से लोग घुटने भर पानी में आने जाने की मजबूरी झेल रहे हैं.मूसलाधार बारिश से नाले से निकाला गया कचरा भी दुबारा नाले में बह गया. नाला,गटर सफाई ठेकेदार अब बिल भुगतान हासिल करने की फिराक में जुटे हैं. नदी नाका से गुजरने वाली कामवारी नदी के किनारे स्थित तमाम निचले एरिया भी पानी से प्रभावित होने से लोग बोरिया बिस्तर समेटकर परिचितों के घर शरण ले चुके हैं.तीन बत्ती,गुलज़ार आइस्क्रीम और बाजार पेठ की अधिसंख्यक दुकानों में पानी भरने से दुकानदारों का भारी नुकसान हुआ है.शहर के अधिकांश एरिया में पानी भरा हुआ है जिसका प्रमुख कारण नाला,गटर की सफाई नहीं होना और सड़क किनारे महानगर गैस की पाइप लाइन डालने की खातिर की जा रही खुदाई है.

महानगर गैस की खुदाई से शहर हुआ गड्ढा

शहरवासियों का आरोप है कि, बरसात में भी महानगर गैस पाइप लाइन डालने के लिए खुदाई की जा रही है .मनपा प्रशासन महानगर गैस पर मेहरबान है चाहे शहर का सत्यानाश हो जाय कोई बात नहीं .मनपा,एमएम आरसीए द्वारा कुछ समय पूर्व बनाई गई नवनिर्मित सड़कों को भी खोदा जा रहा है .सड़क किनारे हुए गड्ढों में पानी भरने से लोग गिरकर घायल हो रहे हैं .शहरवासियों का कहना है कि,मनपा प्रशासन को बरसात की समयावधि तक महानगर गैस की खुदाई पर पाबंदी लगानी चाहिए जिससे दुर्घटना से बचाव हो सके .

पटेल बिल्डर से हफ्ता मांगने वाले 4 के खिलाफ अपराध दर्ज

अंबरनाथ. अंबरनाथ में एक बिल्डर से 25 लाख रुपयों का कथित हफ्ता मांगकर दो लाख रुपए लेने वाले लोगों को खिलाफ अंबरनाथ पुलिस थाने में अपराध दाखिल किया गया है. आल इंडिया पैंथर सेना के शहराध्यक्ष संजय प्रसाद, रिपब्लिकन सेना के निवृत्ति दिवेकर, तेजस सरवदे व एक अन्य के खिलाफ बांधकाम व्यवसायिक अंकित बेचर पटेल ने पुलिस में शिकायत की है.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अंकित पटेल की पटेल आर. पी.एल रियल्टी प्रा. लि. नाम की बांधकाम कंपनी है. उन्होंने अंबरनाथ पश्चिम में कोहोज-खुंटवली परिसर में प्रशासन की सभी अनुमति लेकर इमारत निर्माण साइट पर जाकर काम बंद करने की धमकी दी और काम शुरू करने के लिए 5 लाख रुपए का हफ्ता मांगा. ऐसा अंकित पेटल में पुलिस में दर्ज कराया है. पैसे ना देने पर दिवेकर ने अंबरनाथ नगर परिषद में झूठी शिकायत की. कार्रवाई के डर से बिल्डर ने सुपरवाइजर मार्फत दिवेकर को दो लाख रुपए दिए. पैसे मिलने के बाद दिवेकर ने नगरपरिषद से अपनी शिकायत वापस ली है. लेकिन 12 अप्रैल को संजय प्रसाद और उसके साथीदार ने बांधकाम साइट पर जाकर कहा कि तुम्हारा रॉयल्टी जुर्माना करोड़ों में जाएगा. ऐसा डर बताकर 25 लाख रुपए का हफ्ता मांगा. बिल्डर ने इसका विरोध किया. इसके रोष में संजय प्रसाद ने नगर परिषद और तहसीलदार को झूठी शिकायत की. प्रशासन पर दबाव डालने के लिए 9 जून से तहसील कार्यालय के समक्ष अनशन शुरू कर दिया. पैसे नहीं मिलने पर प्रसाद ने बदलापुर पुलिस में बिल्डर के विरुद्ध एट्रासिटी कानून के अंतर्गत अपराध दाखिल करने के लिए पत्र दिया. ब्लैकमेलिंग से तंग आकर अंकित पटेल ने पुलिस में 4 के खिलाफ अपराध दर्ज किया है. अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में कई कलमों के अनुसार अपराध दाखिल किया है.

बारिश को देखते हुए ठाणे ज़िला प्रशासन अलर्ट पर

- नदियों के किनारों पर लगातार ध्यान
- NDRF की दो टीमें तैनात

ठाणे. ज़िले में हो रही भारी बारिश को देखते हुए, ज़िला प्रशासन ने सभी ज़रूरी सिस्टम को अलर्ट पर रखा है और लोगों की सुरक्षा को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता दी गई है। बारिश से पैदा हुए हालात पर ज़िला आपदा प्रबंधन कंट्रोल सेल के ज़रिए लगातार नज़र रखी जा रही है, और जहाँ ज़रूरी हो, तुरंत राहत और बचाव का काम किया जा रहा है। रेल और सड़क ट्रैफ़िक को आसान बनाए रखने के लिए ज़रूरी सिस्टम मौजूद हैं, और ज़िले में NDRF की दो टीमें भी तैनात की गई हैं, यह जानकारी जिलाधिकारी व ज़िला आपदा प्रबंधन अथॉरिटी के चेयरमैन डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल और निवासी उपजिलाधिकारी व ज़िला आपदा प्रबंधन डॉ. संदीप माने और ज़िला आपदा प्रबंधन मैनेजमेंट ऑफ़िसर डॉ. अनीता जवांजल ने दी।

जिला आपदा प्रबंधन कंट्रोल सेल की 6 जुलाई, 2026 को सुबह 8 बजे तक की रिपोर्ट के मुताबिक, 237.63 mm बारिश हुई। पिछले 24 घंटों में जिले में बारिश रिकॉर्ड की गई है। 1 जून से अब तक जिले में कुल 705.65 mm बारिश रिकॉर्ड की गई है। भारी बारिश को देखते हुए जिले में नदियों और डैम के वॉटर लेवल पर लगातार नज़र रखी जा रही है। एडमिनिस्ट्रेशन उल्हास नदी के मुहाने, जम्भुलपाड़ा और बदलापुर में वॉटर लेवल पर खास ध्यान दे रहा है। हालांकि बदलापुर और जम्भुलपाड़ा में वॉटर लेवल वॉर्निंग लेवल को पार कर गया है, फिर भी संबंधित एजेंसियों को अलर्ट रखा गया है। कल्याण तालुका में कालू नदी और शाहपुर तालुका में भातसा नदी का वॉटर लेवल डेंजर लेवल से नीचे है। डैम में पानी के स्टोरेज और डिस्चार्ज की जानकारी भी रेगुलर इकट्ठा की जा रही है, और स्थिति के अनुसार ज़रूरी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन ने भारी बारिश के कारण कसारा घाट इलाके में रेलवे लाइन पर गिरे मलबे को तुरंत हटा दिया है, और मुंबई की ओर आने वाला रेलवे ट्रैफिक बहाल कर दिया गया है। जिले में लोकल ट्रेन सर्विस करीब 20 से 25 मिनट देरी से चल रही हैं। हालांकि, संबंधित एजेंसियां रेलवे ट्रैफिक जारी रखने के लिए काम कर रही हैं। डिजास्टर कंट्रोल सेल ने बताया है कि जिले में रोड ट्रैफिक भी ठीक से चल रहा है।

राष्ट्रीय (NDRF) की दो टीमों और 30 अधिकारियों और कर्मचारियों को ठाणे जिले में इमरजेंसी की स्थिति से तुरंत निपटने के लिए तैनात किया गया है। इस वजह से, प्रशासन ज़रूरत के हिसाब से राहत और बचाव काम और तेज़ी से करने के लिए तैयार है।

15 लाख रुपये रंगदारी मांगने के आरोप में 4 RTI एक्टिविस्ट गिरफ्तार

कल्याण. डोंबिवली MIDC में नाली और सीवर का काम कर रहे कॉन्ट्रैक्टर ने घटिया काम किया है। इस बारे में MIDC के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के पास RTI एप्लीकेशन दी गई थी और गुरुवार को कल्याण क्राइम ब्रांच की टीम ने नाली का काम करने वाले कॉन्ट्रैक्टर के सुपरवाइजर से एप्लीकेशन वापस लेने के लिए 15 लाख रुपये की फिरौती मांगने के आरोप में नवी मुंबई, भिवंडी और पनवेल के चार तथाकथित रंगदारी मांगने वाले RTI एक्टिविस्ट को गिरफ्तार किया।

उनके पास से दो कार, पांच मोबाइल फोन और कैश समेत कुल 21 लाख 10 हजार रुपये का कीमती सामान जब्त किया गया है। गिरफ्तार किए गए वसूली करने वाले RTI एक्टिविस्ट के नाम हैं दीपेश गौतम लोखंडे (39, रेसिडेंशियल ओमकार अपार्टमेंट, घनसोली विलेज, नवी मुंबई), नरेश राजेंद्र सूर्यवंशी (29, रेसिडेंशियल समता नगर, गणपति तलाव के पास, सेक्टर 1, रबाले, नवी मुंबई), राहुल सुधाकर मुकादम (30, मुकादम निवास, रिलायंस पेट्रोल पंप के पीछे, कोंगांव, भिवंडी), विशाल गंगाराम जानकर (31, रेसिडेंशियल ओम निवास, प्लॉट नंबर 1, सेक्टर 5, करंजले, पनवेल)।

क्या है मामला?

डोंबिवली MIDC में, मेसर्स अजवानी-मेटकॉन जॉइंट वेंचर कंपनी MIDC डोंबिवली के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर्स के गाइडेंस में नालियों और सीवर का कंस्ट्रक्शन करती है। इन नालियों और सीवर का काम इस कंपनी ने घटिया क्वालिटी का किया है। ऐसी RTI एप्लीकेशन इन चारों वसूली करने वालों ने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर्स को दी थी। इस जानकारी के आधार पर, संबंधित कॉन्ट्रैक्टर पर एक्शन लेने का दबाव बनाया गया था। इस कार्रवाई से बचने और RTI एप्लीकेशन वापस लेने के लिए, इन रंगदारी मांगने वालों ने मेसर्स अजवानी-मेटकॉन कंपनी के सुपरवाइजर पर 15 लाख रुपये की रंगदारी देने का दबाव बनाया था। नियमों के मुताबिक काम करने के बावजूद, ये चारों लोग अपनी कंपनी और सुपरवाइजर को पैसे ऐंठने के लिए परेशान कर रहे थे, इसलिए इस कंपनी के सुपरवाइजर ने कल्याण क्राइम ब्रांच के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अजीत शिंदे से शिकायत की थी।

जाल बिछाया गया

पुलिस के कहने पर कॉन्ट्रैक्टर कंपनी ने इन चारों रंगदारी मांगने वालों को फिरौती देने का एक नकली प्लान बनाया और उन्हें पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया। मेसर्स अजवानी मेटकॉन कंपनी के सुपरवाइजर ने पुलिस के कहने पर इन चारों रंगदारी मांगने वालों को 15 लाख रुपये देने की तैयारी दिखाई। चारों लोग डोंबिवली MIDC में के. वी. पेंढारकर कॉलेज के पास एक बर्गर शॉप पर यह रकम लेने के लिए तैयार हो गए। गुरुवार को, चारों लोग अपनी दो कारों में तय जगह पर पहुंचे। क्राइम ब्रांच की एक टीम ने इस बर्गर शॉप के पास जाल बिछाया था। कंपनी का सुपरवाइजर रंगदारी के पैसे देने दुकान पर गया। वहां चाय पीने और बातचीत करने के बाद सुपरवाइजर ने 15 लाख रुपये की रकम इन चार लोगों को दे दी। जैसे ही बाहर पुलिस को खबर मिली, पुलिस टीम दुकान में घुस गई और चारों तथाकथित लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

बदलापुर में नाले की सुरक्षा दीवार ढही

- बदलापुर में नागरिकों के पैसों का गलत इस्तेमाल
- भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग
- घटिया दर्जे का काम दीवार बनाने में हुआ

बदलापुर. बदलापुर शहर में चल रहे डेवलपमेंट के कामों पर अब सवाल उठने लगे हैं। एक तरफ तो लोगों की मेहनत की कमाई टैक्स के रूप में से करोड़ों रुपये के काम हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ये काम कुछ ही सालों में ताश के पत्तों की तरह ढह रहे हैं। इसका एक चौंकाने वाला मामला हाल ही में सामने आया है। नगरपालिका द्वारा तीन-चार साल पहले बनाए गए नाले की सुरक्षा दीवार बिना बारिश के ही ढह गई है, जबकि इसी इलाके में दस साल पहले एक प्राइवेट बिल्डर द्वारा बनाई गई दीवार अभी भी मजबूती से खड़ी है। गौरी हॉल के पास नाले पर सुरक्षा दीवार बनाने के लिए कुलगांव बदलापुर नगरपालिका द्वारा भारी रकम खर्च की गई थी। हालांकि, इस दीवार के गिरने से अब काम की क्वालिटी पर सवाल उठने लगे हैं। हैरानी की बात यह है कि यह दीवार बिना ज्यादा बारिश के ही ढह गई, जिससे कंस्ट्रक्शन की क्वालिटी पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इस घटना की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस इलाके में 'थारवानी बिल्डर' द्वारा दस साल पहले बनाई गई सुरक्षा दीवार अभी भी बिना एक इंच भी हिले मजबूती से खड़ी है। प्राइवेट बिल्डरों का काम दस साल बाद भी चल रहा है, वहीं तीन-चार साल पहले बनी नगरपालिका का काम गिर रहा है, जो प्रशासन की प्लानिंग और काम पर बड़ा सवालिया निशान लगा रहा है।

स्थानीय लोग अपना गुस्सा ज़ाहिर करते हुए कह रहे हैं, 'इस तरह नागरिकों के टैक्स के पैसे की खुलेआम लूट हो रही है।' दीवार गिरना अकेली घटना नहीं है, बल्कि नागरिकों ने भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही का आरोप लगाया है। जब तक इस घटिया काम के लिए ज़िम्मेदार ठेकेदारों, संबंधित प्रशासकीय अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक ऐसी घटनाएं होती रहेंगी और जनता का पैसा बर्बाद होता रहेगा।

डोंबिवली में कैलास लस्सी की किचन में लगी आग

- 7-8 कर्मचारियों ने खिड़की से बाहर निकलकर बचाई जान

डोंबिवली। डोंबिवली पूर्व स्थित प्रसिद्ध कैलास लस्सी की पहली मंजिल पर बने किचन में सोमवार सुबह करीब 11 बजे अचानक आग लग गई। आग लगते ही किचन में काम कर रहे सात से आठ कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। सभी कर्मचारियों ने सूझबूझ दिखाते हुए खिड़की के रास्ते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही डोंबिवली अग्निशमन दल की टीम मौके पर पहुंची और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि, आग से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और समय रहते आग बुझा लिए जाने से बड़ा नुकसान भी टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुकान रेलवे ट्रैक के बेहद करीब होने के कारण आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर से दिखाई दे रहा था।

'CM का बेटा' 23 साल, 60 फिल्में लगीं ये टैग हटाने में

- रितेश देशमुख का दर्द

बॉलीवुड एक्टर रितेश देशमुख इन दिनों नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' को होस्ट कर रहे हैं. शो के लेटेस्ट एपिसोड में रितेश ने अपनी जिंदगी का ऐसा दर्द साझा किया, जिसे सुनकर कंटेस्टेंट्स भी भावुक हो गए. उन्होंने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखते ही लोग उनकी मेहनत नहीं, बल्कि उनके पिता की कुर्सी देखते थे.

'लोग कहते थे, CM का बेटा है इसलिए फिल्में मिलती हैं'

दरअसल, शो में कंटेस्टेंट योगेश रावत अपने ऊपर लगे 'चीटर' के टैग को लेकर दुख जाहिर कर रहे थे. उन्होंने कहा कि बिना पूरी सच्चाई जाने लोग उन्हें चीटर कह रहे हैं और इससे उनके परिवार को भी शर्मिंदगी झेलनी पड़ रही है.

योगेश की बात सुनने के बाद रितेश ने उन्हें समझाया कि लोगों की राय अक्सर उसी आधार पर बनती है, जो बाहर दिखाई देता है. फिर उन्होंने अपनी जिंदगी का उदाहरण देते हुए कहा- परसेप्शन यानी लोगों की धारणा वही बनती है, जो आप बाहर दिखाते हैं. हम सभी इस दौर से गुजरे हैं. जब मैंने अपनी पहली फिल्म की थी, उस वक्त मेरे पिता महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे. मेरे डेब्यू के बाद हर कोई यही कहता था कि 'इसके पिता CM हैं, इसलिए इसे काम मिलता है और इसकी फिल्में चलती हैं.' मैं इस दौर से गुजरा हूं.

मैंने वो सारे टैग तोड़ दिए हैं....

रितेश ने आगे कहा- आज 23 साल और 60 फिल्में करने के बाद मैं आपके सामने खड़ा हूं. मैंने वो सारे टैग तोड़ दिए हैं. कुछ टैग टूटने में वक्त और मेहनत लगती है, लेकिन अगर इंसान ठान ले तो वो जरूर टूटते हैं. उनकी ये बात सुनकर बाकी कंटेस्टेंट्स भी काफी इंस्पायर हुए.

रितेश देशमुख, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के बेटे हैं. उन्होंने साल 2003 में फिल्म 'तुझे मेरी कसम' से बॉलीवुड में कदम रखा था. इसके बाद क्या कूल हैं हम, धमाल, हे बेबी, हाउसफुल जैसी कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी दमदार कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों का दिल जीत लिया.

भारी बारिश को देखते हुए मनपा प्रशासन अलर्ट पर

- मनपा आयुक्त ने इमरजेंसी रूम का रिव्यू किया
- निचले इलाकों पर खास फोकस
- पेड़ों की छंटाई के लिए डबल मैनपावर; गड्ढे भरने का कैंपेन शुरू

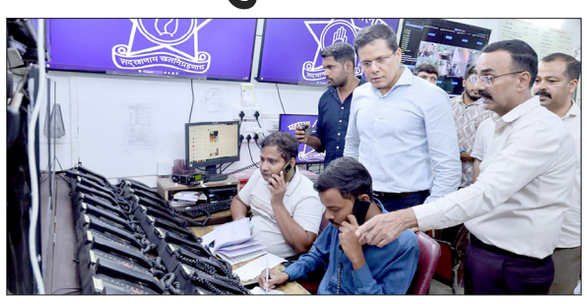

ठाणे। शहर में पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश को देखते हुए ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एडमिनिस्ट्रेशन ने इमरजेंसी सिस्टम को हाई अलर्ट पर रखा है। म्युनिसिपल कमिश्नर सौरभ राव ने आज दोपहर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के इमरजेंसी कंट्रोल रूम का दौरा किया और दिन में मिली शिकायतों और उन पर हुई कार्रवाई का डिटेल में रिव्यू किया।इस मौके पर म्युनिसिपल इंजीनियर प्रशांत सोंगरा, डिप्टी कमिश्नर जी.जी. गोदेपुरे, डिप्टी म्युनिसिपल इंजीनियर शुभांगी केसवानी, डिजास्टर मैनेजमेंट ऑफिसर यासीन तड़वी वगैरह मौजूद थे। इस मौके पर शहर के निचले इलाकों में जलभराव की घटनाओं पर खास नजर रखने के निर्देश दिए गए। कमिश्नर ने संबंधित विभागों को सतर्क रहने और जलभराव की संभावना वाले इलाकों में तुरंत कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे जरूरी काम के अलावा घरों से बाहर न निकलें, अफवाहों पर विश्वास न करें और किसी भी इमरजेंसी की स्थिति में नगर निगम के इमरजेंसी डिपार्टमेंट को 02225371010 पर संपर्क करें।मानसून के दौरान पेड़ गिरने की घटनाओं के बारे में बोलते हुए कमिश्नर सौरभ राव ने कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखते हुए प्राकृतिक आपदाओं को रोकने के लिए पेड़ों की वैज्ञानिक तरीके से छंटाई की जा रही है। पिछले चार महीनों में शहर में छह हजार से ज्यादा पेड़ों की डालियों की छंटाई की जा चुकी है।हालांकि सोसायटी परिसर में पेड़ों की जिम्मेदारी संबंधित हाउसिंग सोसायटी की है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां से भी मांग आई, नगर निगम ने उनकी छंटाई की पहल की है। चूंकि इस समय बारिश के साथ तेज हवाएं चल रही हैं, इसलिए पेड़ और डालियों के गिरने की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि इस बैकग्राउंड में, इमरजेंसी रिस्पॉन्स के लिए मैनपावर को दोगुना कर दिया गया है, और प्रूनिंग के बाद निकलने वाले ग्रीन वेस्ट को तुरंत उठाने का काम भी चल रहा है।

मनपा ने भी शहर की सड़कों पर गड्ढों को लेकर तुरंत उपाय शुरू कर दिए हैं। कमिश्नर ने कहा कि जैसे ही बारिश कम होगी, मैस्टिक टेक्नोलॉजी की मदद से गड्ढे भरने का काम बड़े पैमाने पर किया जाएगा। हालांकि, पिछले तीन दिनों से लगातार भारी बारिश के बावजूद, लोगों को परेशानी से बचाने के लिए बारिश में भी मैस्टिक डालने का काम जारी रखा जा रहा है।

In Loving Memory of
Our Founder Chairman

Late Shri Sitaldas Harchandani
(6th Death Anniversary On 7-7-2026)

"Those we love don't go away,
they walk beside us everyday.
Unseen unheard but always near,
still loved, still missed and very dear....."

Today is the Sixth Death Anniversary of Our Beloved Founder Chairman Dada Sitaldas Harchandani, who left for his heavenly abode on 7th July 2020. It was an irreparable loss to our Nav Jeevan Family. Our Bank is always trying to work on the principles laid down by him.

Nav Jeevan Co-op. Bank Ltd.
Manohar Makhija (Chairman) - Suresh Harchandani (Vice Chairman)
Lilaram Mulchandani, Murlidhar Sabhandasani, Kanhaiyalal Nathani,
Lal Hiranandani, Santosh Nankani, Anil Ballani, Rakesh Udasi,
Haresh Gyanchandani, Bhimji Badga, Lal Tanwani,
Harshita Harchandani, Neeta Dhirwani,
Bharat Chanchlani, Rewachand Ahuja, Gurmukh Raghani
Board of Directors
Dinesh Harchandani - CEO and Staff

FREE EYE HEALTH CHECK-UP CAMP
Tuesday 7th July 2026
11.00 AM to 2.00 PM
Venue : Main Branch, Ulhasnagar-3.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099